हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 12 संवदिया

1.तीन नंबर प्लेटफॉर्म से गाड़ी किधर की ओर जाया करती थी?

उत्तर: तीन नंबर प्लेटफॉर्म से गाड़ी थाना बिहंपुर, खगड़िया और बरौनी की और जाया करती थी।

2. बड़ी हवेली में गृहस्थी का काम कौन देखता था?

उत्तर: बड़ी बहुरिया संतरा बड़ी हवेली में गृहस्थी का काम देखा करती थी।

3. माँ ने बड़ी बहुरिया के लिए क्या क्या भेजा था?

उत्तर: माँ ने बड़ी बहुरिया के लिए थोड़ा चूड़ा और बासमती का धान भेजा।

4. हरगोबिन किसका नाम लेकर पैदल चल पड़ा था?

उत्तर: 'महावीर-विक्रम-बजरंगी' का नाम लेकर हरगोबिन पैदल ही चल पड़ा।

5. कटिहार से जलालगढ़ कितनी दूरी पर था?

उत्तर: कटिहार से जलालगढ़ 20 कोस की दूरी पर था।

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

1. हरगोबिन को अचरज क्यों हुआ?

उत्तर: बड़ी बहुरिया के बुलवाने पर हरगोबिंद को अचरज हुआ क्योंकि वह जानता था कि अब गांव गांव में डाकघर खुल गए हैं, और ऐसे में संवदिया का क्या काम, आज तो आदमी घर बैठे ही लंका तक खबर भेज सकता है।

2. गांव के लोग संवदिया को क्या समझते थे?

उत्तर: गांव के लोग संवदिया के कार्य को ऐसा समझते थे जो कोई भी खाली इंसान कर सकता है। उन्होंने संवदिया को लेकर ऐसी धारणा बनाई हुई थी कि वह एक कामचोर, निठल्ला और पेटू लोग होते हैं।

3. बड़ी बहुरिया के भाई और संवदिया के बीच क्या बातचीत हुई?

उत्तर: जब हरगोबिन बड़ी बहुरिया के मायके संवाद लेकर पहुंचा तो बड़ी बहुरिया के भाई हरगोबिन को पहचान नहीं पाए। हरगोबिन ने अपना परिचय दिया तो उन्होंने अपनी बहन का समाचार पूछा। उसके उत्तर में हरगोबिन ने बताया कि बड़ी बहुरिया ठीक है।

4. कटिहार जंक्शन पर क्या बदलाव हुए थे?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: कटिहार जंक्शन में 15-20 सालों में बहुत बदलाव आ गया था। वहाँ अब इस स्टेशन पर उतरकर किसी से प्लेटफॉर्म के बारे में, ट्रेन के बारे में, कुछ पूछने की जरूरत नहीं रह गई थी। भोंपू की आवाज से सभी जानकारी मिल जाती थी।

5. काबुली कायदा से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: काबुली व्यक्ति द्वारा बनाए गए नियम कानून काबुली-कायदा कहलाते हैं। हरगोबिन के गांव में काबुल से एक व्यक्ति उधार कपड़ा देने आता था। जब व्यक्ति उधार कपडा देता था, तो वह बहुत विनम्रता से बात करता था लेकिन जब उधार वापस मांगने पर आता था तो ज़ुल्म की हद पार कर देता था। तभी से काबुली- कायदा कहावत बन गई थी।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

1.संवाद सुनकर हरगोबिन के मनोदशा का वर्णन कीजिए?

उत्तर: संवाद को सुनकर हरगोबिन दुविधा में पड़ गया था। एक तरफ उसे बड़ी बहुरिया के आदेश का पालन भी करना था, और दूसरी ओर उसे अपने गांव की इज्जत बचानी थी।वह सोच में पड़ गया था कि उसे क्या करना चाहिए। उसके मन में ढेरों सवाल उसे उलझन में डाल रहे थे।

2.'साड़ी के तीन टुकड़े हो गए हैं' लेखक ने यह बात किस संदर्भ में कहा है?

उत्तर: बड़ी हवेली को, बड़े भैया के देहांत के उपरान्त, घर के सपूतों और भाइयों ने तीन टुकड़ों में बांट रखा था। यहाँ तक कि बड़ी बहुरिया के पहने हुए गहने तक उन्होंने आपस में बांट लिए थे। इस बात की तुलना लेखक ने द्रौपदी के चीरहरण लीला से की है। लेखक की नजर में बड़ी बहुरिया के साथ जो घटना घटी है, वह द्रोपती के साथ हुए चीरहरण से कम भयानक नहीं है।

3. हवेली से बुलावा आने पर हरगोबिन के मन में क्या आशंका हुई?

उत्तर: बड़ी हवेली से बड़ी बहुरिया का बुलावा आने पर हरगोबिन के मन में आशंका हुई कि निश्चित ही कोई बहुत गुप्त संदेश है, जिसकों लेकर किसी के पास जाना है। कोई ऐसा संदेश जिसकी खबर पेड़ पौधे चाँद सूरज तथा पक्षियों में से भी किसी को पता न लगे।

4. खाना खाने को लेकर बड़ी बहुरिया की दशा का वर्णन करें?

उत्तर: बड़ी बहुरिया जब अपना संदेश मायके भेजने के लिए हरगोबिन को कहती है, तो वह घर में खाने के विषय में उसे बताते हुए कहती हैं। कि यहाँ खाने के लिए कुछ भी नहीं है। वह बहुत दिनों से जो भी खा रही है उधार ही खा रही हैं। हाल इतना बुरा हो गया कि खेतों तथा खाली स्थानों में यूं ही उग जाने वाली बथुआ की हरी सब्जी तथा साग खाकर गुज़ारा करती है। यह देख हवेली की स्थिती से ज्यादा बुरी दशा खाने की स्थिती मालूम होती है।

5. बड़ी बहुरिया की पहले की हालत और तत्कालीन हालात की तुलना करें?

उत्तर: बड़ी बहुरिया पहले बड़ी हवेली में रानी की तरह रहा करती थी। शुरुआत में बड़ी बहुरिया के हाथों की मेहंदी कई दिनों तक नहीं उतरी थी। लेकिन दुर्भाग्यवश बड़ी बहुरिया के पति के मरने के कुछ दिन बाद ही ऐसी गति हो गयी। देवरों छोटे भाइयों ने सब हड़प लिया। अब उस बड़ी बहुरिया की दशा बहुत खराब है। तत्काल

https://www.evidyarthi.in/

स्थिती ऐसी हो गई है कि एक समय की रोटी भी मिल पाना दुर्लभ जान पड़ती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1. बड़ी हवेली के जर्जर हालत पर टिप्पणी करें?

उत्तर: जब हरगोबिंद संवदिया के रूप में बड़ी हवेली में कदम रखता है, तो उसे उसके हवेली के पुराने दिनों की याद आ जाती है। जब एक समय था कि हवेली में क्या ठाट बाट रहा करती थी। बड़े भैया जब हवेली में रहते थे तो इस हवेली की शान अलग ही बनती थी। घर में नौकर नौकरानियों और मज़दूरों की भीड़ हर समय रहा करती थी। और अब वह दिन नहीं रहे दिन बदल चूके थे, बड़े भैया की मृत्यु के बाद सभी भाइयों ने बंटवारा कर दिया था। अब हवेली केवल नाम की बड़ी हवेली रह गई थी। मकान बिलकुल जर्जर हो गया था और यहाँ की बड़ी बहुरिया की हालत अब नौकरानियों से भी बदतर हो गई थी।

2. हरगोबिंद से बात करते वक्त बड़ी बहुरिया की आंखें क्यों भर आईं?

उत्तर: हरगोबिंद से संवाद करते समय बड़ी बहुरिया क्या आँखें अपनी खुद की हालात बताते हुए भर आई। संवादिया की सहायता से अपने हाल का संदेश अपनी माँ को भेजना चाहती थी । जब वह संवादिया को अपने हालातों के बारे में बताती है। तो वह सब बताते – बताते उनके मन और हृदय के पीड़ा का दर्द उनकी आंखों के जरिए आंसू के रूप में बाहर निकल पड़ा और अपनी व्यथा का वर्णन करते हुए उनकी आंखें भर आईं।

3. संवदिया को बड़ी बहुरिया का संवाद उनकी माँ तक पहुंचाने में पीड़ा क्यों हो रही थी?

उत्तर: जब संबंधियों ने बड़ी बहुरिया की दुखभरी दशा के बारे में जानना, तभी से उसका मन भारी होने लगा था। जब वह गाड़ी में बैठा तो उससे बड़ी बहुरिया के एक एक वचन काटे की तरह चुभते प्रतीत हो रहे थे। क्योंकि उसके लिए यह पहली बार था जब ऐसा दुख भरा संवाद उसे लेकर जाना था। जिसमें एक दुखी बेटी अपने माँ से सहायता मांगने के लिए उन तक संदेश पहुंचाने का प्रयास करती है। यही बात हरगोबिन के आँखों के सामने बार बार घूम रही थी। जो संवदिया को दुखी और निराश कर रहे थे।

4.“ संबंधियों की खूब मेहमानी होती है।” पाठ के आधार पर इस कथन के समर्थन में अपनी राय दे।

उत्तर: संवदिया एक गांव से दूसरे गांव संवाद लेकर जाता था। वे जहाँ भी संवाद लेकर जाता था, वहाँ उसकी बहुत आवभगत होती थी। वे मज़े से खाता और लंबी यात्रा से आकर वहाँ थकान उतारने को आराम से सोता। जैसे हरगोविन्द बड़ी बहुरिया का संवाद लेकर उनकी माँ के घर पहुंचा तब उसका बहुत ढंग से स्वागत किया गया था यह उसका काम था। यह अधिकारों से प्राप्त था कि वह अपने आराम करने की, और अपनी आवभगत करा सकता था।

5. हरगोबिंद बड़ी बहुरिया के संवाद को उनकी माँ से नहीं कह पाया क्यों?

उत्तर: एक समय पहले बड़ी बहुरिया जो बड़ी हवेली की लाड़ली बहू और उस गांव की लक्ष्मी थी। अब जब उनकी स्थिती जर्जर और दयनीय होगई थी, तो उस स् थिति को दूसरे गांव के लोगों को यह बताना नहीं चाहता था उसमें उसके गांव की बेइज्जती थी। उसे यह सोचकर ही बहुत शर्म आ रही थी कि उसके गांव की लक्ष्मी आज इतना पीड़ा झेल रही है। और वहाँ उसकी कोई सुनने वाला भी नहीं है यह सब उससे बर्दाश्त नहीं हुआ और उसके रहते अपने गांव वालों के रहते हुए गांव की लक्ष्मी किसी और गांव के लोगों से सहायता मांगे यह बहुत निंदनीय बात थी। अतः बड़ी बहुरिया के संवाद को उनकी माँ से नहीं कह सका।

https://www.evidyarthi.in/

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/